



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 84 ]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 8, 2000/माघ 19, 1921

No. 84]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 8, 2000/MAGHA 19, 1921

खान और खनिज मंत्रालय

(खान विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2000

सा. का. नि. 95(अ).—केन्द्र सरकार, खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 67) की धारा 3 के खंड (ड.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बांधों, सड़कों, रेलमार्गों, भवनों के निर्माण के लिए भराई या समतल करने के उद्देश्य से प्रयुक्त “सामान्य मिट्टी” को, उक्त खंड के तहत, पहले ही से गौण खनिजों के रूप में घोषित खनिजों के साथ, गौण खनिज घोषित करती है।

[फा. सं. 7/5/99-खान-VI]

सत्यप्रिय गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF MINES AND MINERALS

(Department of Mines)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd February, 2000

G. S. R. 95(E).—In exercise of the powers conferred by clause (e) of Section 3 of the Mines and Minerals (Development and Regulation) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government hereby declares the 'ordinary earth' used for filling or levelling purposes in construction of embankments, roads, railways, buildings to be a minor mineral in addition to the minerals already declared as minor minerals hereinbefore under the said clause.

[F No. 7/5/99-M.VI]

S P GUPTA, Jt. Secy

